यूनिट, मद्रास में अक्तूबर, 1991 में एच आई वी/एड्स में अनुसंधान अध्ययन किया।

इस अध्ययन के अंतर्गत दिसम्बर, 1993 के अंत तक कुल 250 एच आई वी संक्रमित व्यक्ति (बंबई में 194 तथा मद्रास में 56) पंजीकृत किए गए।

3 से 16 माह तक की विभिन्न अवधि के उपचार के बाद बंबई में पंजीकृत चौदह (14) व्यक्ति एलिसा से नॉन-रिऐक्टिव हो गए हैं।

इनमें से ग्यारह वयति का रत सीरम राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, नई दिल्ली को भेजा गया। उनके सीरम वेस्टर्न ब्लाट ऐसे से भी नॉन रिऐक्टिव सूचित किए गए हैं।

व्यक्तियों के (मानसिक/भावनात्मक और भौतिक दोनों) स्वाभाविक लक्षणों के आधार पर होमियोपैथिक औषधियां निर्धारित की गई।

प्रारंभिक परिणाम एच आई वी संक्रमण और संबंधी अवसरात्मक संक्रमण के प्रबंधन में होमियोपैथिक चिकित्सा की सकारात्मक भूमिका को दर्शाते हैं फिर भी विस्तृत रोग प्रतिरक्षण संबंधी जांचों की अनुपस्थिति में निश्चित परिणाम सम्भवतया नहीं निकाला जा सकता।

**डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल नर्सिंग होम**

277. **श्री अजीत जोगी:**
**चौधरी हरि सिंह:**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, दिल्ली का नर्सिंग होम केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के लाभार्थियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है;

(ख) यदि हां, तो दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में रहने वाले केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के लाभार्थ उस क्षेत्र में एक अन्य नर्सिंग होम के निर्माण हेतु कौन से कदम उठाए गए है या उठाये जाने का प्रस्ताव है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) वर्तमान नर्सिंग होम में आधुनिक सुविधाएं और तकनीक उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द):** (क) केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के लाभार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपलब्ध पलंगों की संख्या सीमित है।

(ख) तथा (ग) संसाधनों की तंगी को ध्यान में रखते हुए इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के लाभार्थियों के लिए पलंगों की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

(घ) मौजूदा नर्सिंग होम के कमरों का नवीकरण कर दिया गया है। एक नया मल्टी पेरामीटर ब्लड गैस एनालाइजर लगाया गया है। गहन परिचर्या यूनिट में शीशे का पार्टिशन सेन्ट्रल आक्सीजन तथा सेन्ट्रल सक्शन लगाकर सुधार किया गया है।

**Tobacco Usage**

278. SHRI V. HANUMANTHA RAO:
SHRI MENTAY PADMANABHAM:

Will the Minister 'of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to states:

(a) what are the various forms in which tobacco is consumed in India;

(b) what is the ratio of percentage of each of these tobacco products;

(c) whether Ministry of Health have identified all the different forms of tobacco usage; and

(d) if. so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI B. SHANKARANAND): (a) to (d) Tobacco is mainly consumed in the form of Cigarettes, Bidis, Cigars, Cheroots, Chewing Tobacco, Pan Masala, Hookah, Tobacco paste, Snuff, Khaini, Zarda etc. No reliable information' is available about the ratio or percentage of these various products.